BiharBoardBooks.Com

Bihar Board Textbooks, Notes & Question Papers

Bihar Board 12th 320- PHILOSOHPHY Solved Paper

खण्ड - अ (वस्तुनिष्ठ प्रश्न / Objective Type Questions)

Q1. बौद्ध दर्शन का मूल सिद्धान्त क्या है ?

- (A) आत्मा अमर है
- **(B) दुख और उसका निराकरण है**
- (C) ईश्वर सर्वोच्च है
- (D) यज्ञ अनिवार्य है

Q2. 'चार आर्य सत्य' किससे सम्बन्धित है ?

- (A) जैन दर्शन
- **(B) बौद्ध दर्शन**
- (C) वेदान्त दर्शन
- (D) सांख्य दर्शन

Q3. अष्टांगिक मार्ग किसने दिया ?

- (A) महावीर
- **(B) बुद्ध**
- (C) कपिल
- (D) गौतम

BiharBoardBooks.Com

Q4. बौद्ध दर्शन में किसका महत्व नहीं है ?

- (A) सम्यक दृष्टि
- (B) अहिंसा
- (C) करूणा
- **(D) ईश्वर भक्ति**

Q5. बौद्ध धर्म में आर्य सत्य है :

- **(A) चार**
- (B) पाँच
- (C) दो
- (D) एक

Q6. जैन दर्शन में इन्द्रियों एवं मन से प्राप्त ज्ञान को कहते हैं :

- **(A) मति ज्ञान**
- (B) श्रुति ज्ञान
- (C) स्मृतिज्ञान
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q7. पुद्गल को जड़रूप किसने माना ?

- **(A) जैन दर्शन**
- (B) योग दर्शन
- (C) वेदान्त दर्शन
- (D) बौद्ध दर्शन

Q8. जैन दर्शन का स्यादवाद है :

- (A) प्रत्ययवादी सापेक्षतावाद

BiharBoardBooks.Com

- (B) अनुभववादी सापेक्षतावाद
- **(C) वस्तुवादी सापेक्षतावाद**
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q9. जैन दर्शन से सम्बन्धित नहीं है :

- (A) अनेकान्तवाद
- (B) स्यादवाद
- **(C) क्षणिकवाद**
- (D) नयवाद

Q10. जैन दर्शन में समस्त जीवों को कितनी श्रेणियों में बाँटा गया हैं ?

- **(A) दो (त्रस और स्थावर)**
- (B) तीन
- (C) आठ
- (D) दस

Q11. आस्तिक दर्शन किसे कहते है ?

- **(A) जो वेदों को मानते हैं**
- (B) जो ईश्वर को मानते हैं
- (C) जो आत्मा को मानते हैं
- (D) जो आध्यात्मिक सुख मानते हैं

Q12. भारतीय दर्शन किस समस्या से शुरू होता हैं ?

- **(A) दुःख**
- (B) धन
- (C) मोक्ष

BiharBoardBooks.Com

- (D) विज्ञान

Q13. भारतीय दर्शन का अंतिम लक्ष्य है :-

- (A) धर्म
- (B) अर्थ
- (C) काम
- **(D) मोक्ष**

Q14. अयथार्य ज्ञान कहलाता है ?

- (A) प्रमाण
- (B) प्रमा
- **(C) अप्रमा**
- (D) मोक्ष

Q15. भारतीय दर्शन की आस्तिक शाखाओं में कौन-कौन से दर्शन आते हैं ?

- (A) केवल योग
- (B) केवल सांख्य
- **(C) सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा, वेदान्त**
- (D) केवल बौद्ध

Q16. चार्वाक इनमें से किस प्रमाण का खण्डन करता है ?

- (A) शब्द प्रमाण
- (B) अर्थापत्ति
- (C) अनुमान प्रमाण
- **(D) इन सभी का (केवल प्रत्यक्ष को मानता है)**

Q17. चार्वाक के अनुसार विश्व का निर्माण हुआ है :

BiharBoardBooks.Com

- **(A) चार भूतों के संयोग से**
- (B) तीन भूतों के संयोग से
- (C) दो भूतों के संयोग से
- (D) पाँच महाभूतों के संयोग से

Q18. चार्वाक के अनुसार पुरूषार्थ कितने हैं ?

- (A) पाँच
- (B) चार
- (C) तीन
- **(D) दो (काम और अर्थ)**

Q19. चार्वाक के अनुसार जगत है :-

- **(A) वास्तविक**
- (B) अवास्तविक
- (C) कहा नहीं जा सकता
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q20. निम्नलिखित में से कौन सा एक युग्म चार्वाक स्वीकार करता है ?

- **(A) वायु एवं जल**
- (B) अग्नि एवं आकाश
- (C) प्रत्यक्ष एवं अनुमान
- (D) शब्द प्रमाण एवं अनुमान

Q21. भगवद्गीता किस ग्रंथ का अंश हैं ?

- (A) न्यायसूत्र
- (B) उपनिषद्

BiharBoardBooks.Com

- (C) मीमांसा-सूत्र
- **(D) महाभारत**

Q22. गीता में भगवान ने किसे सर्वश्रेष्ठ भक्त बताया है ?

- **(A) जो ज्ञानवान हो (ज्ञानी भक्त)**
- (B) जो केवल पूजा करे
- (C) जो निष्काम भाव से भक्ति करता है
- (D) जो युद्ध जीते

Q23. गीता में आत्मा को किस रूप में बताया गया है ?

- (A) नाशवान
- (B) परिवर्तनशील
- (C) असत्य
- **(D) शाश्वत**

Q24. गीता में कृष्ण ने अर्जुन को किस भाव से कर्म करने को कहा ?

- (A) पलायन से
- (B) आलस्य से
- (C) फल की इच्छा से
- **(D) निष्काम भाव से**

Q25. गीता के अनुसार किसका पालन श्रेष्ठ हैं ?

- (A) परधर्म
- (B) अधर्म
- **(C) स्वधर्म**
- (D) इनमें से कोई नहीं

BiharBoardBooks.Com

Q26. न्याय दर्शन किस प्रकार का दर्शन है ?

- **(A) आस्तिक**
- (B) नास्तिक
- (C) (A) और (B) दोनों
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q27. न्याय दर्शन में कितने प्रमाण बताए गए हैं ?

- (A) दो
- (B) तीन
- **(C) चार (प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द)**
- (D) छः

Q28. न्याय दर्शन में अज्ञान का नाश किससे होता हैं ?

- (A) भक्ति
- (B) दान
- **(C) ज्ञान (तत्वज्ञान)**
- (D) योग

Q29. न्याय दर्शन में अनुमान किस पर आधारित है ?

- **(A) प्रत्यक्ष (और व्याप्ति)**
- (B) उपमान
- (C) शब्द
- (D) हेतु

Q30. न्याय दर्शन का प्रमुख ग्रंथ इनमें कौन सा है ?

- **(A) न्यायसूत्र**

BiharBoardBooks.Com

- (B) योगसूत्र
- (C) ब्रह्मसूत्र
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q31. वैशेषिक दर्शन में कितने पदार्थ माने गए हैं ?

- (A) 5
- (B) 6
- **(C) 7**
- (D) 10

Q32. वैशेषिक दर्शन में कितने गुण बताए गए है ?

- (A) बीस
- **(B) चौबीस**
- (C) अठाइस
- (D) तीस

Q33. वैशेषिक दर्शन के अनुसार जगत किससे बना है ?

- (A) केवल ईश्वर से
- **(B) परमाणुओं से**
- (C) शून्य से
- (D) मन से

Q34. वैशेषिक दर्शन में उस द्रव्य को क्या कहते है जिसका विशिष्ट गुण चेतना होता है ?

- (A) देश
- (B) काल

BiharBoardBooks.Com

- **(C) आत्मा**
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q35. वैशेषिक दर्शन के अनुसार गुण अपने अस्तित्व के लिए किस पर निर्भर करता है ?

- **(A) द्रव्य**
- (B) सामान्य
- (C) विशेष
- (D) अभाव

Q36. सांख्य दर्शन के अनुसार प्रकृति को कैसा माना गया हैं ?

- (A) चेतन
- (B) निष्क्रिय
- (C) अनेक
- **(D) सक्रिय**

Q37. सांख्य दर्शन के अनुसार अहंकार कितने प्रकार का होता है ?

- (A) एक
- (B) दो
- **(C) तीन (सात्विक, राजस, तामस)**
- (D) चार

Q38. सांख्य दर्शन में अव्यक्त तत्व कौन है ?

- (A) पुरूष
- **(B) प्रकृति**
- (C) अंहकार

BiharBoardBooks.Com

- (D) बुद्धि

Q39. सांख्य दर्शन के अनुसार तमोगुण का स्वभाव क्या हैं ?

- (A) शुद्धता
- (B) क्रियाशीलता
- **(C) जड़ता (गुरूत्व)**
- (D) प्रकाश

Q40. सांख्य दर्शन के अनुसार तीन गुण कौन-कौन से हैं ?

- (A) मन, बुद्धि, अंहकार
- **(B) सत्, रज, तम**
- (C) धर्म, अर्थ, काम
- (D) पृथ्वी, अग्नि, वायु

Q41. योगसूत्र किसने लिखा हैं ?

- (A) शंकर
- (B) रामानुज
- (C) गौतम
- **(D) पंतजलि**

Q42. अष्टांग योग का पहला अंग कौन सा हैं ?

- (A) आसन
- (B) धारणा
- (C) चित्तवृत्ति
- **(D) यम**

Q43. पंतजलि के अनुसार योग का अर्थ है :-

BiharBoardBooks.Com

- **(A) चित्तवृति निरोध**
- (B) भक्ति
- (C) ज्ञान
- (D) कर्म

Q44. योग दर्शन में प्रत्याहार का अर्थ है-

- (A) ध्यान लगाना
- **(B) इन्द्रियों का संयम (विषयों से हटाना)**
- (C) श्वास का नियंत्रण
- (D) मन का एकाग्र होना

Q45. योग दर्शन में अस्तेय शब्द का अर्थ है :-

- (A) भ्रम
- **(B) चोरी न करना**
- (C) ध्यान करना
- (D) त्याग करना

Q46. अद्वैत वेदान्त में मोक्ष का स्वरूप है :

- (A) पुनर्जन्म
- **(B) आत्मा और ब्रह्म की एकता**
- (C) भक्ति
- (D) त्याग

Q47. ब्रह्मसूत्र के रचयिता हैं :

- **(A) बादरायण**
- (B) बुद्ध

BiharBoardBooks.Com

- (C) गौतम
- (D) पतंजलि

Q48. शंकर के अनुसार सत्-चित्-आनन्द कौन है ?

- (A) शरीर
- (B) माया
- **(C) ब्रह्म**
- (D) इनमे से कोई नहीं

Q49. अद्वैत वेदान्त के अनुसार चैतन्य आत्मा का है :

- (A) द्रव्य
- (B) गुण
- **(C) स्वरूप**
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q50. शंकर अद्वैत को कहते हैं ?

- (A) ईश्वर
- (B) माया
- **(C) ब्रह्म (एकमेवाद्वितीयम्)**
- (D) इनमें से सभी

Q51. बुद्धिवाद किस पर आधारित है ?

- (A) परम्परा
- (B) अनुभव
- (C) इन्द्रियों
- **(D) बुद्धि**

BiharBoardBooks.Com

Q52. बुद्धिवाद के अनुसार सत्य की पहचान कैसे होती है ?

- (A) अनुभव से
- (B) संश्लेषण से
- (C) जटिल प्रत्यय से
- **(D) तर्क और स्पष्टता से**

Q53. 'लाइबनित्ज' किस विचारधारा से जुड़े हैं ?

- (A) संदेहवाद
- (B) अनुभववाद
- **(C) बुद्धिवाद**
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q54. देकार्त किस युग के दार्शनिक थे ?

- (A) प्राचीन
- (B) मध्यकाल
- **(C) आधुनिक**
- (D) समकालीन

Q55. देकार्त का प्रसिद्ध योगदान है :

- **(A) संदेह-विधि**
- (B) अनुभववाद
- (C) समीक्षावाद
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q56. देकार्त की दर्शन शैली क्या थी ?

- **(A) विश्लेषणात्मक**

BiharBoardBooks.Com

- (B) संश्लेषणात्मक
- (C) प्रायोगिक
- (D) धार्मिक

Q57. देकार्त के अनुसार ईश्वर का अस्तित्व किससे सिद्ध होता है ?

- (A) अनुभव
- (B) संदेह-विधि
- (C) समाज
- **(D) जन्मजात प्रत्यय**

Q58. स्पिनोजा ने ईश्वर को कैसे परिभाषित किया ?

- (A) धार्मिक सत्ता
- (B) सामाजिक सत्ता
- **(C) स्वयं में विद्यमान पदार्थ (Causa Sui)**
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q59. इनमें से कौन सर्वेश्वरवाद के समर्थक हैं ?

- (A) देकार्त
- **(B) स्पिनोजा**
- (C) लाइबनित्ज
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q60. इनमें से कौन समानान्तरवाद के समर्थक हैं ?

- (A) लॉक
- (B) ह्यूम
- (C) देकार्त

BiharBoardBooks.Com

- **(D) स्पिनोजा**

Q61. लाइबनित्ज के अनुसार 'मोनाड' क्या है ?

- (A) पदार्थ का अणु
- **(B) आत्मा जैसी इकाई (चिदणु)**
- (C) शरीर का अंग
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q62. लाइबनित्ज के अनुसार ब्रह्मांड किससे बना है ?

- (A) पदार्थ
- (B) परमाणु
- **(C) मोनाड**
- (D) इनमे से कोई नहीं

Q63. लाइबनित्ज के अनुसार मोनाड है :

- (A) भौतिक कण
- (B) शरीर के अंग
- **(C) अविभाज्य और स्वतंत्र**
- (D) उपर्युक्त सभी

Q64. लाइबनित्ज ने ज्ञान का आधार किसे माना ?

- (A) अनुभव
- **(B) बुद्धि**
- (C) समाज
- (D) परंपरा

Q65. अनुभववाद के अनुसार शिशु का मस्तिष्क कैसा होता हैं ?

BiharBoardBooks.Com

- **(A) कोरी पट्टी (Tabula Rasa)**
- (B) ज्ञान से भरा हुआ
- (C) जन्मजात प्रत्ययों से भरा हुआ
- (D) उपरोक्त सभी

Q66. अनुभववाद किस प्रकार की पद्धति का उपयोग करता है ?

- **(A) आगमनात्मक पद्धति**
- (B) अन्त : प्रेरणा पद्धति
- (C) निगमनात्मक पद्धति
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q67. लॉक किस प्रकार का दार्शनिक था ?

- **(A) अनुभववादी**
- (B) बुद्धिवादी
- (C) यर्थाथवादी
- (D) समीक्षावादी

Q68. लॉक के अनुसार गुण कितने प्रकार के हैं ?

- (A) एक
- **(B) दो (प्राथमिक और गौण)**
- (C) सात
- (D) आठ

Q69. लॉक के अनुसार 'साधारण विचार' कहाँ से आते हैं ?

- (A) तर्क
- (B) धर्म

BiharBoardBooks.Com

- **(C) अनुभव**
- (D) इनमें से कोई नहीं

Q70. 'एन एस्से कन्सर्निंग ह्यूमन अंडरस्टैंडिग' के लेखक कौन हैं ?

- **(A) लॉक**
- (B) बर्कले
- (C) स्पिनोजा
- (D) कांट

Q71. बर्कले अपने दर्शन के प्रारंभ में जड़वाद सम्बन्धी किस दार्शनिक के विचारों का खण्डन किया था ?

- (A) स्पिनोजा
- **(B) लॉक**
- (C) ह्यूम
- (D) देकार्त

Q72. ज्ञानमीमांसीय दृष्टि से बर्कले था :

- (A) संशयवादी दार्शनिक
- (B) बुद्धिवादी दार्शनिक
- **(C) अनुभववादी दार्शनिक**
- (D) समीक्षावादी दार्शनिक

Q73. बर्कले के अनुसार मूल गुण तथा उपगुण में कैसा सम्बन्ध है ?

- (A) पृथक
- **(B) अपृथक**
- (C) तादात्म्य

BiharBoardBooks.Com

- (D) मनोवैज्ञानिक

Q74. बर्कले के अनुसार निम्नलिखित में किसका अस्तित्व नहीं है ?

- (A) ईश्वर
- **(B) जड़ तत्व (Matter)**
- (C) आत्मा
- (D) आत्मा द्वारा प्रत्यक्ष

Q75. बर्कले के अनुसार पदार्थ :

- (A) स्वतंत्र रूप से अस्तित्व रखता है
- **(B) स्वतंत्र रूप में अस्तित्व नहीं रखता है (Esse est percipi)**
- (C) केवल परमाणुओं के रूप में अस्तित्व रखता है
- (D) सदा के लिए अस्तित्व रखता है

Q76. किसने संस्कारों को प्राथमिक तथा प्रत्ययों को गौण माना है ?

- **(A) ह्यूम**
- (B) लॉक
- (C) देकार्त
- (D) कांट

Q77. ह्यूम के शुद्ध अनुभववाद की परिणति किस सिद्धान्त में होती है ?

- (A) बुद्धिवाद
- **(B) संशयवाद**
- (C) समीक्षावाद
- (D) हेगेलवाद

Q78. ह्यूम का किस दार्शनिक पर गहरा प्रभाव पड़ा ?

BiharBoardBooks.Com

- (A) देकार्त
- (B) प्लेटो
- **(C) कांट**
- (D) बर्कले

Q79. ह्यूम ने किसके अस्तित्व का खंडन किया ?

- (A) इन्द्रिय अनुभव
- (B) संस्कार
- **(C) आवश्यक कारणता (तथा आत्मा)**
- (D) अनुभववाद

Q80. ह्यूम के अनुसार यथार्थ ज्ञान किससे प्राप्त होता हैं ?

- (A) केवल बुद्धि से
- **(B) इन्द्रिय अनुभव से**
- (C) जन्मजात विचारों से
- (D) ईश्वर से

Q81. इमैनुएल कांट किस देश के दार्शनिक थे ?

- (A) भारत
- (B) यूनान
- **(C) जर्मनी**
- (D) फ्रांस

Q82. कांट ने किसका समन्वय करने का प्रयास किया ?

- (A) धर्म और ईश्वर
- **(B) बुद्धिवाद और अनुभववाद**

BiharBoardBooks.Com

- (C) आत्मा और ईश्वर
- (D) समाजशस्त्र और दर्शनशास्त्र

Q83. कांट के अनुसार ज्ञान है :

- (A) बुद्धिवादी निर्णय
- (B) अनुभववादी निर्णय
- **(C) संश्लेषणात्मक प्रागनुभविक निर्णय (Synthetic a priori)**
- (D) प्रागनुभविक निर्णय

Q84. कांट का दर्शन किस नाम से जाना जाता हैं ?

- (A) बुद्धिवाद
- (B) अनुभववाद
- **(C) समीक्षावाद (Criticism)**
- (D) हेगेलवाद

Q85. कांट के अनुसार स्थान और समय है :

- (A) वास्तविक बाह्य सत्ता
- (B) भ्रम
- **(C) अंतर्ज्ञान के रूप (Forms of Intuition)**
- (D) द्रव्य

Q86. धुएँ का कारण आग है, इसमें आग है :

- **(A) तात्कालिक कारण** (संदर्भानुसार 'नियत' कारण अधिक उपयुक्त है, दिए गए विकल्पों में सबसे निकटतम)
- (B) काल्पनिक कारण
- (C) अंतिम कारण

BiharBoardBooks.Com

- (D) आकस्मिक कारण

Q87. कारण कैसा नहीं होना चाहिए ?

- (A) नियत
- **(B) आकस्मिक**
- (C) वास्तविक
- (D) तात्कालिक

Q88. घड़े की मिट्टी किसका उदाहरण है ?

- **(A) उपादान कारण**
- (B) निमित्त कारण
- (C) प्रयोजन कारण
- (D) आकारिक कारण

Q89. प्रत्ययवाद में बाह्य जगत की सत्ता है :-

- (A) स्वतंत्र रूप से विद्यमान
- (B) असत्य
- (C) पदार्थ पर निर्भर
- **(D) चेतना पर निर्भर**

Q90. बर्कले किसके पक्षधर थे ?

- (A) भौतिकवाद
- (B) वस्तुवाद
- **(C) प्रत्ययवाद (Idealism)**
- (D) निरीश्वरवाद

Q91. वस्तुवाद का विरोधी दृष्टिकोण कौन सा है ?

BiharBoardBooks.Com

- (A) अनुभववाद
- (B) बुद्धिवाद
- **(C) प्रत्ययवाद**
- (D) संशयवाद

Q92. तात्त्विक तर्क किस प्रकार का प्रमाण है ?

- (A) नैतिक
- (B) धार्मिक
- **(C) तार्किक (प्रागनुभविक)**
- (D) वैज्ञानिक

Q93. तात्त्विक तर्क का निष्कर्ष क्या है ?

- (A) ईश्वर का अस्तित्व काल्पनिक है
- (B) ईश्वर का अस्तित्व केवल अनुभव से सिद्ध होता है
- **(C) ईश्वर का अस्तित्व आवश्यक है**
- (D) ईश्वर पर विश्वास अवैज्ञानिक है

Q94. प्रयोजनात्मक तर्क का निष्कर्ष क्या हैं ?

- (A) ब्रह्मांड स्वतः उत्पन्न हुआ है
- (B) ब्रह्मांड शाश्वत है
- **(C) ब्रह्मांड के पीछे एक नियोजक है (Designer)**
- (D) ब्रह्मांड का अस्तित्व असत्य है

Q95. विश्व सम्बन्धी तर्क का प्रमुख प्रतिपादक कौन था ?

- (A) कांट
- **(B) थॉमस एक्विनास (कास्मोलाजिकल तर्क के लिए प्रसिद्ध)**

BiharBoardBooks.Com

- (C) लॉक
- (D) स्पिनोजा

Q96. नैतिक कर्म के लिए आवश्यक है :-

- (A) ईश्वर
- (B) आत्मा
- **(C) इच्छा स्वातंत्र्य**
- (D) शुभ

Q97. व्यापार नीतिशास्त्र अध्ययन है :

- **(A) नैतिकता का**
- (B) लाभ का
- (C) आदर्शों का
- (D) मूल्यों का

Q98. कर्तव्य का अर्थ है :

- **(A) नैतिक दायित्व**
- (B) शुभ
- (C) अनुभव
- (D) परिणाम

Q99. शुभ का सम्बन्ध किससे है ?

- (A) कर्तव्य से
- **(B) नैतिक मूल्य से**
- (C) अधिकार से
- (D) इच्छा से

BiharBoardBooks.Com

Q100. नैतिक दर्शन में 'कर्तव्य कर्तव्य के लिए है' किसने कहा था ?

- **(A) कांट**
- (B) ह्यूम
- (C) मिल
- (D) देकार्त

खण्ड - ब (लघु उत्तरीय प्रश्न / Short Answer Type Questions)

(निर्देश: किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर दें। यहाँ अभ्यास के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न हल किए गए हैं)

Q1. भारतीय दर्शन का स्वरूप क्या है ?
भारतीय दर्शन का स्वरूप मूलतः आध्यात्मिक और व्यावहारिक है। यह केवल बौद्धिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन की समस्याओं (विशेषकर दुखों) के समाधान का प्रयास है। इसका अंतिम लक्ष्य 'मोक्ष' या मुक्ति है। यह दुखों की सत्ता को स्वीकार करता है और उनके निवारण का मार्ग बताता है।

Q2. ऋग्वेद में प्रतिपादित ऋत क्या है ? समझाइए।
'ऋत' (Rta) ऋग्वेद की एक महत्वपूर्ण अवधारणा है, जिसका अर्थ है 'सृष्टि की नैतिक और भौतिक व्यवस्था'। यह वह नियम है जिससे सूर्य, चंद्रमा और तारे अपनी गति में रहते हैं और जिससे समाज में नैतिक आचरण बना रहता है। यह सत्य और न्याय का प्रतीक है और देवताओं को भी इसका पालन करना पड़ता है।

Q3. भारतीय दर्शन में कर्म सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।
कर्म सिद्धान्त 'कार्य-कारण' नियम का नैतिक रूप है। इसके अनुसार, "जैसा कर्म करोगे, वैसा फल मिलेगा।" शुभ कर्मों का परिणाम सुख और अशुभ कर्मों का परिणाम दुख होता है। यह सिद्धान्त पुनर्जन्म और वर्तमान जीवन की परिस्थितियों की व्याख्या करता है।

BiharBoardBooks.Com

Q4. पुरूषार्थ के रूप में मोक्ष की व्याख्या कीजिए।

भारतीय दर्शन में चार पुरुषार्थ माने गए हैं—धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष। इनमें 'मोक्ष' परम पुरुषार्थ है। यह जीवन का अंतिम लक्ष्य है, जिसका अर्थ है जन्म-मरण के चक्र और समस्त दुखों से पूर्ण मुक्ति। यह आत्मा की अपनी वास्तविक स्थिति की प्राप्ति है।

Q6. गीता के अनुसार कर्म योग क्या है ?

गीता के अनुसार, कर्म योग का अर्थ है 'निष्काम कर्म'। इसका तात्पर्य है कि मनुष्य को अपने कर्तव्यों का पालन पूरी निष्ठा से करना चाहिए, लेकिन कर्म के फलों की आसक्ति नहीं रखनी चाहिए। "कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन" इसका मूल मंत्र है।

Q8. बौद्ध दर्शन के अष्टांग मार्ग कौन से हैं ?

बौद्ध दर्शन में दुख निरोध के लिए आठ मार्ग बताए गए हैं:

1. सम्यक दृष्टि
2. सम्यक संकल्प
3. सम्यक वाक
4. सम्यक कर्म
5. सम्यक आजीव
6. सम्यक व्यायाम
7. सम्यक स्मृति
8. सम्यक समाधि

Q10. स्यादवाद से आप क्या समझते हैं ?

स्यादवाद जैन दर्शन का ज्ञानमीमांसीय सिद्धान्त है। इसके अनुसार, हमारा ज्ञान सीमित और सापेक्ष होता है। हम किसी वस्तु के बारे में जो भी निर्णय देते हैं, वह एक विशेष दृष्टिकोण (नय) से ही सत्य होता है। इसलिए, प्रत्येक निर्णय के साथ 'स्यात्' (शायद/किसी अपेक्षा से) लगा होना चाहिए।

BiharBoardBooks.Com

Q12. न्याय दर्शन के अनुसार निर्विकल्प प्रत्यक्ष को स्पष्ट करें ?
न्याय दर्शन में 'निर्विकल्प प्रत्यक्ष' ज्ञान की वह प्रारंभिक अवस्था है जब हमें वस्तु का आभास तो होता है, लेकिन उसके नाम, जाति, गुण आदि का स्पष्ट ज्ञान नहीं होता। यह गूंगे के स्वाद जैसा है—अनुभव है, पर व्यक्त नहीं किया जा सकता।

Q15. योग दर्शन के अनुसार यम की परिभाषा दें।
यम योग का पहला अंग है, जो सामाजिक नैतिकता से संबंधित है। इसमें मन, वचन और कर्म से संयम बरता जाता है। इसके पाँच प्रकार हैं: अहिंसा, सत्य, अस्तेय (चोरी न करना), ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह (संग्रह न करना)।

Q18. बुद्धिवाद एवं अनुभववाद में क्या अंतर है ?
बुद्धिवाद (Rationalism) मानता है कि यथार्थ ज्ञान का स्रोत 'बुद्धि' है और कुछ ज्ञान जन्मजात होता है। इसके विपरीत, अनुभववाद (Empiricism) मानता है कि ज्ञान का एकमात्र स्रोत 'इन्द्रिय अनुभव' है और जन्म के समय मन 'कोरी पट्टी' (Tabula Rasa) के समान होता है।

Q22. कांट के ज्ञान सिद्धान्त को समीक्षावाद क्यों कहा जाता है ?
कांट ने बुद्धिवाद और अनुभववाद दोनों की एकपक्षीयता की समीक्षा (आलोचना) की और दोनों के समन्वय से नया सिद्धान्त दिया। उन्होंने माना कि "ज्ञान की सामग्री अनुभव से आती है, लेकिन उसका आकार बुद्धि देती है।" इस समन्वय और आलोचनात्मक दृष्टिकोण के कारण इसे समीक्षावाद कहते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)

(निर्देश: किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दें)

Q31. भारतीय दर्शन के स्वरूप से आपका क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए।
भारतीय दर्शन का स्वरूप पाश्चात्य दर्शन से भिन्न है। जहाँ पाश्चात्य दर्शन मुख्य रूप से बौद्धिक जिज्ञासा की तृप्ति है, वहीं भारतीय दर्शन "दुखों के आत्यन्तिक विनाश" की खोज है।

इसके स्वरूप की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

BiharBoardBooks.Com

1. **आध्यात्मिक दृष्टिकोण**: भारतीय दर्शन भौतिक जगत से परे आत्मा और परमात्मा की सत्ता पर विचार करता है। इसका उद्देश्य आत्मा के वास्तविक स्वरूप को जानना है।
2. **व्यावहारिक और जीवनोपयोगी**: यह केवल कक्षा में पढ़ने का विषय नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। हर दर्शन एक विशिष्ट जीवन पद्धति (जैसे योग) का प्रतिपादन करता है।
3. **दुख की स्वीकृति और मोक्ष का लक्ष्य**: चार्वाक को छोड़कर सभी भारतीय दर्शन मानते हैं कि जीवन में दुख है और दर्शन का उद्देश्य इस दुख से मुक्ति (मोक्ष/निर्वाण) प्राप्त करना है।
4. **कर्म सिद्धान्त में विश्वास**: प्रायः सभी भारतीय दर्शन कर्म और पुनर्जन्म के चक्र को मानते हैं।
5. **वेदों का प्रभाव**: आस्तिक दर्शन वेदों को प्रमाण मानते हैं, जबकि नास्तिक दर्शन (जैन, बौद्ध) इनका खंडन करके विकसित हुए, फिर भी वे भारतीय परंपरा का ही भाग हैं।

Q33. बौद्ध दर्शन के अनुसार चार आर्य सत्य की अवधारणा की व्याख्या करें।
महात्मा बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद जो प्रथम उपदेश दिया, उसमें चार आर्य सत्यों का वर्णन है। ये बौद्ध धर्म के आधारस्तंभ हैं:

1. **दुख (दुख आर्य सत्य)**: संसार में सर्वत्र दुख है। जन्म, जरा (बुढ़ापा), व्याधि (रोग) और मृत्यु—सभी दुख हैं। प्रिय से बिछड़ना और अप्रिय से मिलना भी दुख है।
2. **दुख समुदाय (दुख का कारण)**: दुख अकारण नहीं है, इसका कोई न कोई कारण है। बुद्ध के अनुसार, दुख का मूल कारण 'तृष्णा' (लालसा) और 'अविद्या' (अज्ञान) है। यह 'प्रतीत्यसमुत्पाद' (कार्य-कारण नियम) पर आधारित है।

BiharBoardBooks.Com

3. **दुख निरोध (दुख का अंत)**: यदि दुख का कारण है, तो उसका निवारण भी संभव है। तृष्णा और अविद्या के नाश से दुख का अंत हो जाता है। इस अवस्था को 'निर्वाण' कहा जाता है, जो परम शांति की अवस्था है।

4. **दुख निरोध गामिनी प्रतिपदा (दुख निवारण का मार्ग)**: दुख को दूर करने का उपाय है। बुद्ध ने इसके लिए 'अष्टांगिक मार्ग' (आठ रास्ते) बताए हैं—सम्यक दृष्टि, संकल्प, वाक, कर्म, आजीव, व्यायाम, स्मृति और समाधि। इन पर चलकर मनुष्य निर्वाण प्राप्त कर सकता है।

Q35. बर्कले के अनुभववाद की समीक्षात्मक व्याख्या करें।

बिशप बर्कले एक अनुभववादी दार्शनिक थे, लेकिन उन्होंने अनुभववाद को चरम सीमा तक पहुँचाकर उसे 'आत्मनिष्ठ प्रत्ययवाद' (Subjective Idealism) में बदल दिया।

- **जड़ तत्व का खंडन**: बर्कले से पहले लॉक ने माना था कि बाह्य जगत में 'जड़ पदार्थ' (Matter) होता है। बर्कले ने इसका खंडन किया। उन्होंने कहा कि हम केवल गुणों (रंग, रूप, गंध) का अनुभव करते हैं, किसी अज्ञात 'पदार्थ' का नहीं।

- **Esse est percipi**: बर्कले का प्रसिद्ध कथन है—"अस्तित्व उसी का है जो ज्ञात है" (To be is to be perceived)। यदि कोई वस्तु किसी के अनुभव में नहीं है, तो उसका अस्तित्व नहीं है।

- **ईश्वर की सत्ता**: बर्कले से पूछा गया कि जब कोई मनुष्य कमरे में नहीं होता, तो क्या मेज का अस्तित्व समाप्त हो जाता है? बर्कले ने कहा—नहीं, क्योंकि तब वह 'ईश्वर' के मन में होती है। इस प्रकार, उन्होंने अनुभववाद के सहारे ईश्वर को सिद्ध किया।

- **समीक्षा**: आलोचकों का कहना है कि बर्कले का दर्शन 'अहंमात्रवाद' (Solipsism) की ओर ले जाता है, जहाँ व्यक्ति केवल अपनी सत्ता सिद्ध कर पाता है। साथ ही, बाह्य जगत को केवल 'विचार' मान लेना सामान्य बुद्धि (Common sense) के विपरीत लगता है। फिर भी, उनका यह तर्क कि "बिना ज्ञाता के ज्ञेय नहीं हो सकता", दर्शनशास्त्र में महत्वपूर्ण है।

BiharBoardBooks.com

Q38. नैतिक संप्रत्यय के रूप में शुभ का विवेचन करें।

नीतिशास्त्र (Ethics) में 'शुभ' (Good) एक केंद्रीय अवधारणा है। हम जिन कर्मों या वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें 'शुभ' कहा जाता है।

- **साध्य और साधन**: कुछ चीजें किसी और उद्देश्य के लिए शुभ होती हैं (जैसे दवा स्वास्थ्य के लिए शुभ है)—इन्हें 'साधन शुभ' कहते हैं। कुछ चीजें अपने आप में शुभ होती हैं (जैसे सुख, ज्ञान)—इन्हें 'साध्य शुभ' या 'निःश्रेयस' (Summum Bonum) कहते हैं।
- **विभिन्न मत**:
  - **सुखवाद**: सुखवादियों के लिए 'सुख' ही एकमात्र शुभ है।
  - **बुद्धिवाद (कांट)**: कांट के लिए 'सत्संकल्प' (Good Will) ही एकमात्र निरपेक्ष शुभ है।
  - **आत्म-पूर्णतावाद**: कुछ दार्शनिकों के अनुसार 'आत्म-सिद्धि' (Self-realization) परम शुभ है।
- **शुभ और उचित**: 'शुभ' का सम्बन्ध लक्ष्यों/मूल्यों से है, जबकि 'उचित' (Right) का सम्बन्ध नियमों/कर्तव्यों से है। भारतीय दर्शन में 'मोक्ष' को परम शुभ माना गया है, जो सभी दुखों से परे आनंद की स्थिति है।

BiharBoardBooks.Com

Provided By – BiharBoardBooks.Com

Join Our Telegram Channel - @BiharBoardBooks